राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक संसद का क्त्रवां अधिवेशन

प्रतिस्रोत में बहने की शक्ति देता है अणुव्रत : युवाचार्य महाश्रमण

लाडनूं फ अ□टूबर।

युवाचार्य महाश्रमण ने राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक संसद के क्त्रवें अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि अनुस्रोत में चलना आसान है पर प्रतिस्रोत में बहना सरल नहीं है। अणुव्रत प्रतिस्रोत में बहने की शक्ति देता है। अणुव्रत को सब स्वीकार नहीं कर सकते पर अणुव्रत को स्वीकार करना सरल है। उन्होंने कहा कि अणुव्रत के प्रसार को गति देने के लिए शिक्षकों का एक संगठन तैयार किया गया। जो अणुव्रत शिक्षक संसद के रूप में स पूर्ण देश में कार्य कर रहा है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि शिक्षक के पास वाक शक्ति और बुद्धि का बल होता है उन्होंने कहा कि शिक्षक वेतन लेता है औरा काम कम करता है तो विद्या जगत का शोषण करता है और शिक्षक काम पूरा करता है, पर उसे वेतन नहीं मिलता तब शिक्षक का शोषण होता है। शिक्षक वर्ग बुद्धिमान और गुरु होता है। गुरु का विद्यार्थी पर बहुत उपकार होता है। गुरु का काम अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाना है।

अधिवेशन को अणुव्रत प्रभारी मुनि सुखलाल, मुनि किशनलाल राष्ट्रीय संयोजक भीखमचन्द नखत पूर्व संयोजक हीरालाल श्रीमाली, प्रेक्षा प्रशिक्षक सुमन एवं सुधादीदी ने संबोधित किया। मुनि सुखलाल ने बताया कि अणुव्रत शिक्षक संसद के द्वारा स पूर्ण देश में फ्भ्ह अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया जा रहे हैं। जिनमें लाखों विद्यार्थियों एवं हजारों ग्रामीणों को अहिंसा का सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया है। इन केन्द्रों में अहिंसात्मक रोजगार प्रशिक्षण दिया गया है। इन केन्द्रों में अहिंसात्मक रोजगार प्रशिक्षण प्राप्त कर अनेकों परिवार आत्म निर्भर बने हैं।

जीवन विज्ञान दिवस आज

मुनि किशनलाल ने बताया कि फ्क अ€टूबर को स पूर्ण देश में जीवन विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जायेगा। इस दिन आचार्य तुलसी के द्वारा जीवन विज्ञान के प्रणेता आचार्य महाप्रज्ञ को गंगाशहर में 'महाप्रज्ञ' अलंकरण प्रदान किया गया था। उन्होंने बताया कि जीवन विज्ञान पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को स मानित किया जायेगा। जीवन विज्ञान दिवस का कार्यक्रम जैन विश्व भारती स्थित सुधर्मा सभा में प्रात: –.फ बजे आयोजित होगा।

स पूर्ण भारत में जैन विद्या परीक्षाएं आज से

लाडनूं फ अ€टूबर।

ैन विश्व भारती के शिक्षा विभाग समण संस्कृति संकाय द्वारा स पूर्ण भारत में आयोजित होने वाली जैन विद्या परीक्षाएं आज से प्रारंभ होगी।

उक्त जानकारी देते हुए मुनि जयंतकुमार ने बताया कि जैन विद्या परीक्षाएं स पूर्ण भारत एवं नेपाल के कुछ केन्द्रों पर आयोजित होती है। जिनमें दस हजार विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्त हुए है। उन्होंने बताया कि स पूर्ण ख्छ्भ् जैन विद्या परीक्षा केन्द्रों में जैन विद्या भाग भ् से – तक के प्रथम पत्र की परीक्षा फ्क अ€टूबर को एवं क नव बर को इन्हीं भागों के द्वितीय पत्र सहित प्रथम चार भागों की परीक्षा भी आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि संकाय द्वारा नियुक्त आंचलिक संयोजक, केन्द्र व्यवस्थापक एवं पर्यवेशकों के द्वारा परीक्षाओं को पूर्ण सावधानी एवं नैतिकता के साथ स पन्न कराने का प्रयाय किया जाता है।